विचार बिन्दु

निश्चंत मन, भरी थैली से अच्छा है। –अरबी कहावत

निवेश लाने की कवायद एक बार फिर क्या रंग लाएगी!

दीपावली का त्यौहारी मौसम चल रहा है। फ़ज़ाओं में उत्सव का माहौल है। घर और बाज़ार सज रहे हैं। सभी उत्सव के रंग से सराबोर हैं। अधिकांश लोगों के लिये यह माहौल आभासी होते हुए भी प्यारा है। प्रदेश की सरकार ने भी अपने लिये उत्सव का एक सबब खोज लिया है। अगले महीने आयोजित होने वाले निवेशकों के महासम्मेलन के लिये वह जो तैयारी कर रही है उसे ही, राइज़िंग राजस्थान कह कर, उसने उत्सव बना लिया है। इस वर्ष दिसंबर में जयपुर में 'राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024' के आयोजन की तैयारी के सिलसिले में मुख्यमंत्री के नेतृत्व में टोलियां विदेशों की यात्राएं करके आई हैं। ऐसे प्रयास नये नहीं हैं। ऐसे कार्यक्रम पहले भी धूम-धाम से आयोजन किये जाते रहे हैं। विडंबना यह है कि इतने उद्यमों के बाद भी चाहा गया निवेश राजस्थान तक नहीं पहुंचता है। निवेश के लिये सम्मेलन होते और करोड़ों रुपयों के निवेश के लिये एमओयू होते और बाद में उनको फ़ाइलों में दफ़न होते सभी ने बार-बार देखा है। प्रदेश को उद्योगों तथा कारोबार का हब बनाने के अनेक बार देखे गये सपनों को फिर देखते हुए यह उद्यम फिर हो रहा है। रेडियो पर जयपुर विकास प्राधिकरण का एक विज्ञापन आता है जिसमें एक महिला कहती है कि सुनो जी, जयपुर में हम किसी अच्छी जगह पर प्लॉट क्यों नहीं खरीद लेते। वह ऐसे बोलती है जैसे कोई टॉफी खरीदनी हो। राज्य सरकार को भी शायद ऐसा ही लगता है कि किसी देशी-विदेशी निवेशक के लिये राजस्थान में पैसा लगाना कोई टॉफी खरीदने जैसा काम होगा। यह भ्रम पहले की सरकारों ने भी पाला हुआ था कि दुनिया भर से निवेशकों को जलसे में बुला कर अपनी टॉफी दिखाएंगे और निवेशक हमें मालामाल करने दौड़े चले आएंगे। पांच साल के लिये प्रदेश के नियंता बनने वाले राजनेताओं को कौन समझाए कि संभावित निवेशकों को प्रभावी ढंग से आकर्षित करने के लिए, प्रदेश के पास एक सुदृढ़ आधारभूत ढांचा, एक सुविचारित रणनीति तथा उसके लिये एक अच्छे प्रशासन की पुख्ता व्यवस्था होनी चाहिए। ऐसी व्यवस्था करने वाली प्रशासनिक मशीनरी जब अकर्मण्यता और भ्रष्टाचार के दलदल में धंसी हो तब हम किस प्रकार निवेशकों को पधारो म्हारे देस का न्योता दे सकते हैं, और वे इसे क्योंकर स्वीकार करेंगे? यह सवाल पूछा जाना माकूल होगा कि आखिर प्रचार-तंत्र के जरिए, वह भी राजकोष के पैसे से, किसे भ्रमित किया जाने का प्रयास किया जा रहा है? बड़े निवेशक, जिन्हें चप्पे-चप्पे की जानकारी होती है, को आकर्षित करने का यदि कोई ख्वाब देखता है तो वह खुद ही मुगालते में है क्योंकि निवेश करने वाली बड़ी कंपनियां बहुत चतुर होती हैं जिन्हें सिर्फ अपने पैसे, अपने मुनाफे और अपनी सुविधा की चिंता होती है। वे खुद परेशान होने और परोपकार करने के लिये निवेश की मंज़िल नहीं तय करती। वास्तविकता तो यह है कि निवेश के लिये प्रयासों का ऐसा माहौल सत्तारूढ़ नेता आम नागरिकों में अपनी छवि चमकाने के इरादे से करते हैं। विदेश में निवेशकों के साथ दो-तीन दिन की मीटिंगें करके लौटने पर दो उंगलियों से वी फॉर विक्ट्री की आकृति बना कर खड़े नेता के बड़े-बड़े होर्डिंग और उनकी वापसी पर जश्न के आयोजनों के पीछे यही कहानी होती है। मगर ऐसा करने वाले यह भूल जाते हैं कि जिन नागरिकों को हर जगह अव्यवस्थाओं को रोज ही भुगतता पड़ता है उनके लिये यह प्रचार कोई मायने नहीं रखता।

राइज़िंग इंडिया की तर्ज़ पर राइज़िंग राजस्थान का जुमला उधार लेना ही बताता है कि आपके पास खुद की कोई दृष्टि नहीं है। ऐसे प्रचार के जुमले अधकचरी विज्ञापन और ईवेंट एजेंसियां कहीं से नकल करके लाती हैं जो सिर्फ उन अनपढ़ राजनेताओं को भ्रमित करने के लिये होते हैं जिनके दस्तखतों से प्रचार के बजट पास होते हैं। सच तो यह है कि चुनावों के बाद आने वाली प्रत्येक सरकार राजस्थान को देश में सबसे बड़े इन्वेस्टमेंट हब के रूप में स्थापित करने की बातें करती रही है, मगर उसके लिये जरूरी व्यवस्था का आधारभूत ढांचा बनाने का ठोस प्रयास किसी ने नहीं किया क्योंकि ऐसा नारों से नहीं होता। उसके लिये लंबे समय तक धैर्य से काम करना पड़ता है, और पहले खुद निवेश करना पड़ता है। खुद का यह निवेश स्थानीय मानव संसाधन विकास पर होता है। ऐसा भी नहीं है कि इसे कैसे किया जाए इसकी समझ के लिये बाहर से निवेश लाने की जरूरत हो। हमारी पहली जरूरत है हमारी 80 प्रतिशत गरीब आबादी को अर्थव्यवस्था में भागीदार बनने के काबिल बनाना। इसके लिये शहरों और गावों में अच्छी तरह से काम करने वाली नागरिक सुविधाएं उपलब्ध कराना, जिनमें सभी को गुणवत्ता वाली शिक्षा देने और सभी के लिये चिकित्सा और स्वास्थ्य के इंतजाम हो। इसके लिये हमारी संवैधानिक व्यवस्था में सारा दारोमदार कार्यपालिका पर है जिसने पेशेवर तरीके और ईमानदारी से काम करना कब का छोड़ दिया है। जिस प्रकार फ़र्जी तरीकों से इसमें घुस आए लोगों में से कुछ पेपर लीक प्रकरणों में पकड़े जा रहे हैं उससे सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि जिस जमीन पर हम निवेश लाने की कल्पनाओं के घोड़े दौड़ाते हैं वह जमीन कितनी फिसलन भरी है। निवेश कोई लॉलीपॉप नहीं है और न निवेशक नन्हें बच्चे कि उसे दिखाई और वे भागे-भागे चले आएं। उनके सामने एक स्पष्ट वैल्यू प्रस्ताव और एक परिभाषित मॉडल लेकर जाना पड़ता है। निवेशक हमारी मदद के लिये नहीं आने वाले। उनका लोकसेवा का काम नहीं हैं। उनके लिये बाजार की मांग और अपने विस्तार की क्षमता महत्वपूर्ण होती है, जिसके आधार पर वे पेशकश को आंकते हैं और फैसले लेते हैं। वे ज़मीनी हक़ीकत जानते हैं और प्रचार तंत्र से दिखाई जा रही तस्वीर देख कर निर्णय नहीं लेते। वास्तव में उनमें से ही अनेक निवेशक प्रचार तंत्र के संस्थान खुद चलाते हैं और ज़न्नत की हक़ीकत जानते हैं। एक दो मीटिंगें या रोड शो कर लेने से निवेशकों को आकर्षित नहीं किया जा सकता और न उनका भरोसा जीता जा सकता है। मेहमान आने पर थोड़े समय के लिये एक सामान्य परिवार जिस प्रकार अपने घर का एक कमरा सजा लेता है वैसा निवेशकों को लुभाने के लिये नहीं किया जा सकता। असली चीज है ईमानदार कार्य-संस्कृति जो हम आजादी के इतने बरसों बाद भी नहीं बना पाए हैं। ऐसी चीजें खांचों में नहीं होती। उसके लिये पहले हमें अपने आप को पूरी तरह तैयार करना पड़ेगा। ऐसा नहीं हो सकता कि निवेश आएंगे तो हम स्वत: ही तैयार होते चले जाएंगे। हमें जिस पहली चीज को याद रखना है वह है कि बिना मानव संसाधन को तैयार किए न प्रदेश का विकास हो सकता है और न निवेश आ सकता है। मानव संसाधन के विकास की पहली सीढ़ी है सबके लिये समान गुणवत्ता वाली शिक्षा। चीन इसी एक चीज पर अपने को पूरी तरह समर्पित कर आज दुनिया की बड़ी आर्थिक ताकत बना बैठा है।

> **एक दो मीटिंगें या रोड़ शो कर लेने से निवेशकों को आकर्षित नहीं किया जा सकता और न उनका भरोसा जीता जा सकता है। मेहमान आने पर थोड़े समय के लिये एक सामान्य परिवार जिस प्रकार अपने घर का एक कमरा सजा लेता है वैसा निवेशकों को लुभाने के लिये नहीं किया जा सकता। असली चीज है ईमानदार कार्य-संस्कृति जो हम आजादी के इतने बरसों बाद भी नहीं बना पाए हैं।**

प्रचार एजेंसियों द्वारा बनाये गये 'राइज़िंग राजस्थान' के रंगीन दस्तावेज़ में कहा गया है कि 2036 तक, इस प्रदेश का शहरी विस्तार कुल जनसंख्या वृद्धि का 73 प्रतिशत हिस्सा हो जाने की उम्मीद है। इस तेज़ शहरीकरण को समायोजित करने के लिए, और बढ़ती शहरी आबादी की बुनियादी ढांचे की मांगों को पूरा करने के लिए अगले 15 वर्षों में विशाल निवेश करने की आवश्यकता होगी। यहीं पर बड़ा पेच है। हम निवेशकों से अपनी बढ़ती शहरी आबादी को आधारभूत सुविधाएं दिलाने के लिये मदद चाहते हैं, मगर वे यहां दान-पुण्य करने को अथवा हमारी मदद करने को आने वाले नहीं हैं। यह बात पिछले दशकों के इसी पिटे-पिटाये रास्ते पर चलके कहीं न पहुंचने के बाद भी हमारे नीति और विधि निर्माताओं की समझ में नहीं या रही है। यह हमारी विडंबना है। राज्य सरकार की प्रस्तुति पूछती है कि निवेश के लिये राजस्थान ही क्यों? इसका जवाब वह खुद ही देती है कि राजस्थान में देश के कुछ सबसे बेहतरीन नियोजित शहर हैं। क्या सच में ऐसा है? राजधानी जयपुर के लिये एक टैग लाइन बनी थी कि नियोजन जहां परंपरा है। मगर इस नगर में एक की बजाय दो नगर निगम बना देने के बाद भी राजधानी का जैसा हाल बेहाल है वह भारी प्रचार तंत्र से ढांपने से नहीं छुप जाने वाला। राजस्थान के लोगों ने अपनी मेहनत से अपनी तकदीरें बदली हैं और आज वे देश के नामी-गिरामी औद्योगिक और कारोबारी घराने बने बैठे हैं। लेकिन उनके पुरखों को अपनी धरती छोड़ कर बाहर जाना पड़ा और कमा कर वहीं निवेश करना पड़ा। अपने घर आए भी तो वे दान या परोपकार के लिये आए अथवा अपने सांस्कृतिक रिश्तों के कारण आए जो उनकी नई पीढ़ी के लिये शायद बहुत अधिक मायने नहीं रखते। इन्हीं में से एक बजाज घराने के प्रमुख ऐसे ही एक निवेशकों के जलसे में हमारे नेताओं के मुंह पर कह कर जा चुके हैं कि निवेशक आपकी नहीं अपनी जरूरतों के हिसाब से आयेगा। निवेश लाने की यह कवायद नये चुनावों के बाद हर बार होती रहती है। इस बार मुख्यमंत्री भरोसा दिला रहे हैं कि अगले माह के निवेशकों के शिखर सम्मेलन में जो फैसले होंगे वे अगले चार वर्षों में धरती पर नज़र आएंगे। राजस्थान जैसे प्राचीन प्रदेश के वासियों के लिये चार साल कोई लंबी अवधि नहीं है। वे अपनी तक़दीर बदलने का इतना इंतजार तो कर ही लेंगे।

–अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

शीर्ष विद्यालयों के बीच अंतर-विद्यालय तकनीकी प्रतियोगिता का आयोजन

यूनिवर्सिटी ऑफ़ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट (यूईएम), जयपुर/कोलकाता द्वारा झुंझुनू अकादमी को सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने पर पुरस्कृत किया गया

झुंझुनू में जिले के शीर्ष विद्यालयों के बीच सबसे बड़ी अंतर-विद्यालय तकनीकी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

झुंझुनू। यूनिवर्सिटी ऑफ़ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट (UEM), जयपुर/कोलकाता द्वारा नरबदा भवन, झुंझुनू में जिले के शीर्ष विद्यालयों के बीच सबसे बड़ी अंतर विद्यालयीय तकनीकी प्रतियोगिता CONNECTECH (UEM तकनीकी बोनांजा) का आयोजन किया गया। अंतर-विद्यालयीय तकनीकी प्रतियोगिता CONNECTECH (UEM तकनीकी बोनांजा) कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ यूनिवर्सिटी ऑफ़ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट (यूईएम), जयपुर के वाईस चांसलर प्रो. डॉ. बिस्वजॉय चटर्जी, रजिस्ट्रार डॉ. प्रदीप कुमार शर्मा, कृशानु बनर्जी, सचिन पांडेय आदि ने माँ सरस्वती की प्रतिमा के सामने दीप प्रज्वलित कर किया।

अंतर-विद्यालयीय तकनीकी प्रतियोगिता CONNECTECH (UEM तकनीकी बोनांजा) में ए.बी.एन. सीनियर सेकेंडरी स्कूल, श्री रानी सेइंग जी गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल, शिशु विद्या विहार स्कूल, ज्योति विद्यापीठ, रवीन्द्र पब्लिक स्कूल, झुंझुनू अकादमी, अरविंद पब्लिक स्कूल, ए.बी.एन. एसआर. माध्यमिक विद्यालय, एस.एस. मोदी विद्या विहार, रवीन्द्र पब्लिक स्कूल, जी. बी. मोदी पब्लिक स्कूल, आदि सहित झुंझुनू के अधिकतम टॉप स्कूलों से विज्ञान के छात्रों ने भाग लिया। कार्यक्रम में यूनिवर्सिटी ऑफ़ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट (यूईएम), जयपुर/कोलकाता द्वारा झुंझुनू अकादमी को अंतर-विद्यालयीय तकनीकी प्रतियोगिता CONNECTECH (UEM तकनीकी बोनांजा) में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने पर चैंपियन स्कूल व जी.बी. मोदी पब्लिक स्कूल झुंझुनू को उपविजेता स्कूल वर्ष 2024 का ख़िताब देकर पुरस्कृत किया गया।

अंतर-विद्यालयीय तकनीकी प्रतियोगिता CONNECTECH (UEM तकनीकी बोनांजा) कार्यक्रम में छात्रों ने पांच स्पर्धाओं NIRMANA - विज्ञान मॉडल प्रतियोगिता-कक्षा 9 से 12 तक, पाइथागोरस स्टार-मैथ्स टेस्ट-कक्षा 9 और कक्षा 10 तक, PYPHAGORAS - मैथ्स टेस्ट-कक्षा 11 और 12 तक, जिज्ञासा प्रतियोगिता कक्षा-11 से 12 तक व जनरल- क्विज प्रतियोगिता कक्षा 9 से 12 में भाग लिया। सभी प्रतियोगिताओं का परिणाम इस प्रकार रहा जिसमें प्रतियोगिता टेक कला में प्रथम पुरस्कार राधिका केडिया, ए.बी.एन. सीनियर सेकेंडरी स्कूल, द्वितीय पुरस्कार लताशा रोहिल्ला श्री रानी सेइंग जी गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल, तीसरा पुरस्कार अप्सरा शिशु विद्या विहार स्कूल, वहीं पाइथागोरस प्रो में प्रथम पुरस्कार प्रिया चाहर झुंझुनू अकादमी, द्वितीय पुरस्कार सृष्टि खेतान जी. बी. मोदी पब्लिक स्कूल, तीसरा पुरस्कार महक जालान जी. बी. मोदी पब्लिक स्कूल, वहीं पाइथागोरस स्टार में प्रथम पुरस्कार अनन्या शर्मा जी. बी. मोदी पब्लिक स्कूल, द्वितीय पुरस्कार अरव सैनी ए.बी.एन. सीनियर सेकेंडरी स्कूल, तीसरा पुरस्कार जी. बी. मोदी पब्लिक स्कूल NIRMANA वहीं विज्ञान मॉडल प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार सोहा अख्तर, वंशिका, कनिका, पायल अरविंद पब्लिक स्कूल, द्वितीय पुरस्कार सुधांशु जांगिड़ व मोक्ष स्वामी ए.बी.एन. एसआर. माध्यमिक विद्यालय, तीसरा पुरस्कार विनायक सैनी व गुरु अंश एस.एस. मोदी विद्या विहार, झुंझुनू, क्यूरियोसिटी प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार इंद्रपाल रवीन्द्र पब्लिक स्कूल, द्वितीय पुरस्कार नंदिनी शर्मा झुंझुनू अकादमी, तीसरा पुरस्कार अयितेश झुंझुनू अकादमी। वहीं बायो ब्रिलियंस में प्रथम पुरस्कार देवप्रिया ज्योति विद्यापीठ, द्वितीय पुरस्कार हर्ष रवीन्द्र पब्लिक स्कूल, तीसरा पुरस्कार नकुल शर्मा को दिया गया। प्रत्येक कार्यक्रम के लिए प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान हासिल करने वाले छात्रों को यूनिवर्सिटी ऑफ़ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट (यूईएम), जयपुर/कोलकाता की और से नकद पुरस्कार के साथ-साथ योग्यता प्रमाण पत्र व स्मृति चिन्ह तथा कार्यक्रम में भाग लेने वाले अन्य छात्रों को भागीदारी प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में विश्विद्यालय के रविंद्र मांजू, ऋदय बनर्जी, शुभदीप घोष, पिनाकी करमाकर के अलावा एडमिशन विभाग के आशुतोष गौतम, विष्णु जगाका, महेश चौधरी, बाबूलाल शर्मा, अभिषेक शर्मा, शशि कांत मधुकर, श्याम प्रताप भी शामिल हुए साथ ही कार्यक्रम में पधारे हुए सभी अतिथिओं का यूनिवर्सिटी कुलपति प्रो. डॉ. बिस्वजॉय चटर्जी ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

आयुर्वेद डॉक्टर को 60 साल पर रिटायर करने पर हाइकोर्ट ने गंभीरता से लिया

आदेश की पालना नहीं करने पर आयुर्वेद विभाग के शासन उप सचिव को तलब किया

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान उच्च न्यायालय ने आयुर्वेद विभाग के शासन उप सचिव सावन कुमार चायल को तलब किया और आदेशित किया कि आदेश की अवज्ञा और दुराग्रही कृत्य के लिए क्यों नहीं उसके खिलाफ उपयुक्त कार्यवाही शुरू की जाएं। आयुर्वेद डॉक्टर को कोर्ट के आदेश के बावजूद 60 साल पर रिटायर कर देने पर हाइकोर्ट ने गंभीरता से लिया। रिट याचिका की सुनवाई के दौरान हाइकोर्ट न्यायाधीश फरजंद अली की एकलपीठ ने आदेश जारी किया है।

> ■ **राजस्थान उच्च न्यायालय ने आदेशित किया कि आदेश की अवज्ञा और दुराग्रही कृत्य के लिए क्यों नहीं उसके खिलाफ उपयुक्त कार्यवाही शुरू की जाए**

डूंगरपुर निवासी डॉ. प्रवीण कुमार पांड्या की ओर से अधिवक्ता यशपाल ख़िलेरी और विनीता चांगल ने रिट याचिका दायर कर बताया कि याचिकाकर्ता आयुर्वेद विभाग में वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी है और आयुर्वेद डॉक्टर्स की रिटायरमेंट आयु 60 से 62 वर्ष करने वाले फैसले को सुप्रीम कोर्ट ने बरकरार रखा है तथा हॉल ही में सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार की ओर से पेश पुनर्विचार याचिका भी ख़ारिज कर दी है।

याचिकाकर्ता के अधिवार्षिकी आयु 60 साल 30 सिंतबर 2024 को पूरी होने से पूर्व ही उसने रिट याचिका दायर कर उसे 62 वर्ष से पूर्व रिटायर नहीं करने की गुहार लगाई, जिस पर हाइकोर्ट के एकलपीठ न्यायाधीश फरजंद अली ने निर्णय दिनांक 20 सितंबर 2024 से याची को 62 वर्ष से पूर्व रिटायर नहीं करने के आदेश दिए थे। बावजूद इस आदेश के, जानबूझकर निर्लज्ज अवज्ञा करते हुए और दुराग्रह से ग्रसित होकर आयुष विभाग के शासन उप सचिव ने 30 सितंबर 2024 को आदेश जारी कर याची को जबरन रिटायर कर दिया। उपनिदेशक, आयुर्वेद विभाग, डूंगरपुर और निदेशक, आयुर्वेद विभाग, अजमेर से निवेदन करने पर उनके द्वारा मौखिक रूप से बताया गया कि कोर्ट के आदेश के वनिस्पत राज्य सरकार का आदेश मानना जरूरी होता है, इसलिए निवेदन करने के बावजूद और कोर्ट के आदेश का संज्ञान होने के बाद भी याची को 30 सितंबर 2024 को जानबूझकर रिटायर कर दिया गया, जिस पर याचिकाकर्ता ने पुन: नई रिट याचिका पेश कर आयुर्वेद विभाग के उप शासन सचिव को कंटेम्प्ट नोटिस जारी कर याची को राजकीय सेवा में पुन: वापिस लेने की गुहार लगाई गई।

अधिवक्ता ख़िलेरी ने बताया कि आयुर्वेद विभाग के वर्तमान शासन उपसचिव जोकि राज्य के उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा के विशेष सहायक भी है की हठधर्मिता और दुराग्रहिता के कारण हाइकोर्ट द्वारा पारित किसी भी आदेश की पालना नहीं की जा रही है और जानबूझकर कोर्ट के आदेशों का मख़ौल उड़ाया जा रहा है औऱ प्रत्येक आदेश की पालना के लिए अवमानना याचिकाएं दायर करनी पड़ रही हैं।

याचिकाकर्ता के तर्क और मामले की परिस्थितियां और आदेशों की निर्लज्ज अवज्ञा को देखते हुए हाइकोर्ट न्यायाधीश फरजंद अली की एकलपीठ ने प्रतिवादी संख्या 4 आयुष विभाग के शासन उप सचिव सावन कुमार चायल को अगली सुनवाई तारीख 18 नवंबर पर न्यायालय के समक्ष व्यक्तिश: उपस्थित रहने के निर्देश देते हुए यह कहा कि उसके खिलाफ उपयुक्त कार्यवाही क्यों न शुरू की जाएं। साथ ही याचिकाकर्ता को अविलम्ब पुन: राजकीय सेवा में लेने का भी अंतरिम आदेश दिया।

7 साल के लड़के की बारात रवाना होने से पहले पहुंचा प्रशासन

जीजी/गोविन्दपुरा में वाल्मीकि समाज के लोगों द्वारा एक लड़के का बाल विवाह किया जा रहा है। सूचना मिलने पर बाल अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक राजीव जाखड़ के निर्देश पर चाइल्ड हेल्पलाइन समन्वयक त्रिलोक वर्मा, राजस्व पटवारी रेणु गिरी, काउंसलर दीपक चौधरी, सदर थाना से ड्यूटी अधिकारी हैड कांस्टेबल सतवीर सिंह राठौड़, सिपाही संदीप कुमार एवं मनजीत सिंह शादी वाले घर पर पहुंचे। टीम जब मौके पर पहुंची तो बारात विजयनगर जाने के लिए तैयार थी। टीम द्वारा दूल्हे की आयु की जानकारी को परिवार से दस्तावेज मांगे गए। दूल्हे के माता-पिता ने आधार कार्ड एवं 10 वीं कक्षा की अंक तालिका को पेश किया। इनमें दूल्हे की जन्मतिथि 21 जून 2007 थी। इस हिसाब से दूल्हे की उम्र 17 साल और चार माह ही थी, जबकि लड़के की शादी की उम्र सरकार की ओर से कम से कम 21 साल तय की हुई है। इस पर परिवार के सदस्यों को लड़के की शादी 21 साल पूरी होने से पहले नहीं करने को पाबंद किया गया। मौका फर्द बनाकर परिवार व रिश्तेदारों के हस्ताक्षर करवाए गए। बाल कल्याण समिति अध्यक्ष जोगेंद्र कौशिक ने गांव में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, आशा, साथिन और सदर पुलिस के एक कांस्टेबल को निगरानी के निर्देश दिए हैं। कार्रवाई के दौरान हलवाई व टैंट वाले को कानून की जानकारी दी, जबकि पंडित मौका पाकर फरार हो गये।

श्रीगंगानगर, (निसं)। गोविंदपुरा/18 जीजी गांव में प्रशासनिक टीम ने बाल विवाह रुकवाया। इस कार्रवाई में ग्राम पंचायत के सरपंच की विशेष भूमिका रही है। दूल्हे की बारात गांव से रवाना होने वाली थी। तैयारियां चल रही थी। इसी दौरान प्रशासनिक अमले ने पहुंचकर शादी में कानून का पेंच खड़ा कर दिया। दूल्हा बनाए गए लड़के की आयु शादी के तय नियमों के तहत नहीं थी। वहीं शादी को रुकवा दिया गया।

> ■ **प्रशासन ने परिवार के सदस्यों को लड़के की शादी 21 साल पूरी होने से पहले नहीं करने को लेकर पाबंद किया**

जानकारी के अनुसार चाइल्ड हेल्पलाइन को 1098 टोल फ्री नंबर पर रविवार को सूचना मिली थी। कॉलर ने बताया कि गांव 18

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

बुधवार 23 अक्टूबर, 2024

कार्तिक मास, कृष्ण पक्ष, सप्तमी तिथि, बुधवार, विक्रम संवत 2081, पुनर्वसु नक्षत्र गुरूवार प्रात: 6:16 तक, शिव योग प्रात: 6:59 तक, विष्टि करण दिन 1:24 तक, चन्द्रमा आज रात्रि 12:02 से कर्क राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-तुला, चन्द्रमा-मिथुन, मंगल-कर्क, बुध-तुला, गुरू-वृष, शुक्र-वृश्चिक, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज रवियोग रात्रि 12:42 से प्रात: 6:16 तक है। भद्रा दिन 1:24 तक रहेगी। आज से राष्ट्रीय कार्तिक मास आरम्भ होगा।

श्रेष्ठ चौघड़िया: लाभ-अमृत सूर्योदय से 9:13 तक, शुभ 10:47 से 12:11 तक, चर 2:59 से 4:23 तक, लाभ 4:23 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 4:35, सूर्यास्त 5:48

मेष
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्य सुगमता से बनने लगेंगे। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

वृष
व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक/वित्तिय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

मिथुन
नौकरीपेशा व्यक्तियों को बाहर जाना पड़ सकता है। व्यावसायिक कार्यों के लिए भागदौड़ रहेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे।

कर्क
व्यक्तिगत परेशानियां अभी यथावत बनी रहेगी। मन में असंतोष रहेगा। अनावश्यक समय खराब होगा। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि होगी।

सिंह
आर्थिक/वित्तिय मामलों में संतुलन बना रहेगा। संभावित धन प्राप्त होगा। नौकरीपेशा व्यक्तियों को प्रभाव-प्रभुत्व बढ़ेगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे।

कन्या
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

तुला
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृश्चिक
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। घर-परिवार में अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है।

धनु
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। परिवार में चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे।

मकर
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित विवादों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

मीन
घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा। परिवार में वाद-विवाद टालना ठीक रहेगा। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी।